00042

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2012

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all **five** questions.*

*(ii) All questions carry **equal** marks.*

*(iii) Answers to question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Define atheism and agnosticism. Explain their forms and expound various arguments proposed against the two. **20**

OR

What is the meaning and nature of religion ? Delineate various developmental stages of religion. **20**

2. Explain the nature and attributes of God according to traditional theism. **20**

OR

"The spirit or the internal aspect of any religion is religious experience". Make a detailed analysis of religious experience. 20

3. Answer ***any two*** of the following in about **200** words each :

(a) What are the different types of Cosmological arguments proposed for the existence of God ? 10

(b) Explain the negative way of using religious language. 10

(c) Explain and differentiate religious feelings and the feelings of the sublime. 10

(d) What are the important ways in which religious plurality is explained ? 10

4. Answer ***any four*** of the following in about ***150*** words each.

(a) Why is defining religion a problem ? 5

(b) How would you define Post modernism ? 5

(c) How does Freud apply the idea of Oedipus complex to explain the origin of religion ? 5

(d) What constitutes the core of primitive religious consciousness ? 5

(e) Explain briefly inter religious or inter faith dialogue. 5

(f) How does fundamentalism lead to violence ? 5

5. Write short notes on ***any five*** of the following in about **100** words each :

(a) Mana **4**

(b) Communalism **4**

(c) Totemism **4**

(d) Fanaticism **4**

(e) Religious exclusivism **4**

(f) Taboo **4**

(g) Reality **4**

(h) Mysticism **4**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*(ii) सभी प्रश्नों के **अंक समान** है।*

*(iii) **प्रथम** एवं **द्वितीय** प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. निरीश्वरवाद और अज्ञेयवाद को परिभाषित कीजिए। दोनों के प्रकारों का वर्णन कीजिए तथा दोनों निरीश्वरवाद और अज्ञेयवाद के विरुद्ध प्रस्तुत तर्कों की व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

धर्म के अर्थ एवं प्रकृति को स्पष्ट कीजिए। धर्म के विभिन्न विकासात्मक स्तरों का वर्णन कीजिए। **20**

2. परम्परागत ईश्वरवाद के अनुसार ईश्वर के गुणों एवं प्रकृति की विस्तार से व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

''किसी भी धर्म की आत्मा अथवा आन्तरिक विषय-वस्तु धार्मिक अनुभव होता है''-स्पष्ट कीजिए। धार्मिक अनुभव का विस्तार से विश्लेषण कीजिए। 20

3. ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) ईश्वर-सिद्धि में प्रस्तुत विभिन्न प्रकार के ब्रह्माण्डोत्पत्ति सम्बंधी तर्कों को स्पष्ट कीजिए। 10

(b) धार्मिक भाषा को निषेधात्मक रूप में प्रयोग करने के ढगों का वर्णन कीजिए। 10

(c) धार्मिक अनुभवों और उदात्त (sublime) अनुभवों के मध्य अन्तर कीजिए एवं उनका वर्णन कीजिए। 10

(d) धार्मिक बहुलता की व्याख्या के विभिन्न महत्वपूर्ण ढंग कौन-कौन से हैं? स्पष्ट करें। 10

4. ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(a) धर्म को परिभाषित करना समस्यात्मक क्यों है? 5

(b) उत्तर-आधुनिकता को आप कैसे परिभाषित करेंगें? 5

(c) फ्रायड 'ऑडिपस कम्पलैक्स' के विचार को धर्म की उत्पत्ति के सन्दर्भ में किस प्रकार उपयोग में लाते हैं? 5

(d) आदिम धर्म-चेतना का मूल तत्व क्या है? 5

(e) अंतर्धार्मिक संवाद अथवा अंतरआस्था (inter faith) संवाद का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5

(f) धार्मिक रूढ़िवाद कैसे हिंसा को जन्म देता है? 5

5. ***किन्हीं पाँच*** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) माना (Mana) 4

(b) साम्प्रदायिकता 4

(c) टोटेमवाद 4

(d) कट्टरपंथी 4

(e) धार्मिक विशिष्टतावाद 4

(f) निषिद्ध (Taboo) 4

(g) यथार्थता 4

(h) रहस्यवाद 4